

MEGALYNARION OF THE PRESENTATION OF CHRIST IN THE TEMPLE
ΘΕΟΤΟΚΗ Η ΕΛΠΙΣ

February 2 and 9

‘Ηχος γ’

arr. N. Takis

Andante

Θε-o - tó - κε η ελ - πίς,
The-o - to - ke i el - pis,
πάντων τών Χρι-
pan-don ton Chri-

- στι - α - νών, σκέ - πε φρού - ρει φύ - λατ - τε,
- sti - a - non, ske-pe frou - ri fi - lat - te,

Moderato

τούς ελ - πί - ζον - τας εις σέ. Ev νό - μω σκι - á και γράμ - μα - τι
tous el - pi - zon - das is se. En no-mo ski-a ke gham-ma-ti

τύ - πον κα - τí - δω - μεν οι - πι - στοί, παν άρ - σεν το την μή - τραν δι - α - μι - tran dhi - a -
ti - pon ka - ti - dho-men i - pi - sti, pan ar-sen to tin mi - tri a - mi-tran dhi-a -

voí - γον á - γι - ον Θε - ώ, δι - ó προ - τό - το - κον Λό - γον,
ni - ghon a - ghi - on The - o, dhi - o pro - to - to - kon Lo - ghon,

Πα - τρός α - νάρ - χου Υι - óν, πρω - το - το - κού - με - νον μη - τρí α - πι -
Pa - trós a - nar - chou I - on, pro - to - to - kou - me - non mi - tri a - pi -

πάν - δρω με - γα - λύ - vo - μεν.
- ran - thro me - gha - li - no - men.